



# मेरे बहनचोद बनने की गन्दी कहानी

“मेरी दीदी के स्तन और चूतड़ बहुत बड़े-बड़े थे.  
उनको देख कर किसी का भी पानी निकल सकता था.  
मैं भी दीदी की चूत चोदने की फिराक में रहता था. मैंने  
उसके साथ क्या किया ? ...”

Story By: (gopanihardik)

Posted: Thursday, July 11th, 2019

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [मेरे बहनचोद बनने की गन्दी कहानी](#)

# मेरे बहनचोद बनने की गन्दी कहानी

यहाँ क्लिक अन्तर्वासना ऐप डाउनलोड करके ऐप में दिए लिंक पर क्लिक करके ब्राउज़र में साइट खोलें.

## ऐप इंस्टाल कैसे करें

📖 यह कहानी सुनें

हाय दोस्तो ! कैसे हैं आप ? मैं प्रतीक अपनी पहली कहानी के साथ हाज़िर हूँ.

आशा करता हूँ कि गर्मी के सीजन में भी आप चुदाई का मजा ले रहे होंगे. गर्मी में भी चुदाई का अपना ही अलग मजा होता है. वैसे तो चुदाई सर्दी में ज्यादा मजेदार लगती है लेकिन मैं तो गर्मी में भी गर्म चूत का खूब मजा लेता हूँ. अब मैं अपनी स्टोरी पर आता हूँ.

यह कहानी मेरी और मेरी बड़ी बहन के बीच बने नाजायज ताल्लुकात की है। मैं एक पढ़ा-लिखा और दिखने में ठीक-ठाक लड़का हूँ. मैं पेशे से इन्जीनियर हूँ। मेरी बहन का नाम जियरा है और वो कॉलेज खत्म करके फिलहाल घर पर ही रहती थी और खेत के काम में मम्मी का हाथ बंटाती थी। जियरा मुझसे चार साल बड़ी है और उसके बड़े-बड़े स्तन और भारी चूतड़ किसी का भी पानी छुड़वा देते हैं.

बात तीन साल पहले की है जब मैं 18 साल का था और दीदी 22 साल की थी। उन दिनों मैं 12वीं की पढ़ाई खत्म करके कामाचलाऊ नौकरी ढूँढ रहा था। रोज काम की तलाश में जाता था और घर वापस आ जाता था. उन दिनों मम्मी-पापा ऊपर के कमरे में सोते थे और हम दोनों भाइ-बहन नीचे कमरे में कुंडी लगाकर सोते थे।

उस रात मैं चादर ओढ़ कर अन्तर्वासना की कहानी पढ़ रहा था और जियरा दीदी जैसे घोड़े

बेच कर सो रही थी। उन्होंने काले रंग का टी-शर्ट और पतली ढीली हेरम पहन रखी थी। हमारी खटिया बिल्कुल नजदीक ही थी और नाइट लेम्प की रोशनी में उनके सुडौल स्तन और गांड बहुत प्यारे लग रहे थे।

दीदी की कमसिन जवानी देख कर और कहानी पढ़ कर मुझे मुठ मारने का बड़ा मन कर रहा था लेकिन सोच रहा था कि अगर उठ कर गया तो दीदी जग जायेगी. दीदी जाग जायेगी इस ख्याल से मैं लंड को हाथ में पकड़ कर चुपचाप सोता रहा।

इतने में दीदी ने करवट बदली और सीधी लेट कर सोने लगी। इससे उनकी चूत का गुब्बारा बिल्कुल मेरी आंखों के सामने आ गया. अब मैं चाह कर भी अपने आप को रोक नहीं पाया और नींद में हाथ उठाने का नाटक करते हुए मैंने उनकी चूत पर हाथ रख दिया. दीदी तो नींद में थी. मेरी हिम्मत बढ़ गई और मैं चूत के सुराख को हेरम के ऊपर से ही सहलाने लगा.

मेरी इस हरकत पर दीदी थोड़ी सी हिली और उसने मेरा हाथ अपनी चूत से हटा दिया. अब मेरे अंदर की वासना की आग भड़क उठी थी. मैंने वापस वही हरकत की. इस बार दीदी धीरे से बोल पड़ी- प्रतीक, भाई और बहन के बीच ये सब नहीं होता. दीदी ने इतना तो कहा लेकिन अपनी चूत से मेरा हाथ नहीं हटाया.

मैंने नींद में ही बड़बड़ाने का नाटक करते हुए कहा- दीदी प्लीज, एक बार करने दो न। दीदी बोली- अगर करना ही है तो मर्द की तरह कर, ऐसे बुजदिल बन कर क्यों कर रहा है. मैंने अब होश संभालते हुए कहा- दीदी आप सच में मुझे करने दोगी ? वो बोली- हट बदमाश, मैं तो तुझे जगाने के लिए ऐसा कह रही थी. ये सब तू अपनी गर्लफ्रेंड के साथ ही करना. मैं तुझे अपनी नहीं देने वाली।

मैंने कहा- दीदी, मेरी कोई गर्लफ्रेंड नहीं है. मैं ये सब किसके साथ करूँ ?

दीदी बोली- तो ढूंढ ले ।

मैंने कहा- कोई भी नहीं मिल रही ।

दीदी बोली- अगर कोई नहीं मिल रही तो बहनचोद बनेगा क्या ?

मैं- आप हो ही इतनी प्यारी कि बहनचोद बनने का मन कर रहा है ।

दीदी- चल झूठा ।

मैं- सच में दीदी, आज की रात सिर्फ एक बार मुझे मेरी स्वाहिश पूरी कर लेने दो प्लीज !

दीदी- चल ठीक है, लेकिन मेरी एक शर्त है !

मैं- सब मंजूर है, बताइये क्या शर्त है ?

दीदी- इस कमरे की बात बाहर नहीं जानी चाहिये और मेरी मर्जी के खिलाफ कुछ भी नहीं किया जायेगा । मंजूर है ?

मैं- अरे मेरी जान सब मंजूर है ।

इतना सुनते ही मैं उन की खटिया में कूद गया और उन पर टूट पड़ा ; चुम्बनों की बारिश कर दी मैंने ... और दीदी भी अच्छा सहकार दे रही थी । दोनों बहन भाई पूरे गर्म हो चुके थे ।

अब मम्मे दबाने की बारी थी । मैंने दीदी की टी-शर्ट उतार दी. मैं दीदी की ब्रा के ऊपर से मम्मे दबा रहा था और मेरी जीभ उनके मुंह में टटोल रही थी. एक हाथ से मैं बहन की चूत को सहला रहा था ।

थोड़ी देर मम्मे सहलाने के बाद मैंने खड़ा होकर अपनी पैंट निकाल ली. मेरा सात इंच का लंड तन कर बेहाल हो रहा था. मैंने अपने बेकाबू से लंड को दीदी के हाथ में पकड़ा कर दीदी को चूसने का इशारा किया तो दीदी ने खड़ी होकर मुझे जोरदार तमाचा मारा और कहा- बहनचोद, मैं रंडी हूं क्या जो तू मुझे अपना लंड चूसने के लिए बोल रहा है ?

दीदी की इस बात पर मुझे गुस्सा आया लेकिन मैंने कुछ कहा नहीं क्योंकि बना बनाया काम बिगड़ सकता था. मैं चुपचाप अपने कपड़े वापस पहनने लगा तो दीदी घबरा सी गई. अब मुझे पता चल गया था कि आग दोनों तरफ ही बराबर की लगी हुई थी.

वो बोली- सॉरी, गुस्से में डांट दिया मैंने, बुरा क्यों मान रहा है ?

मैंने कहा- गलती तो मुझसे हो गई है लेकिन अब मैं आपके साथ कुछ नहीं करूंगा.

मैं अपनी पैंट को वापस पहनने लगा. मेरा लंड तो कह रहा था कि आज तो दीदी की चूत मार ही ले लेकिन मैं दीदी को परखना चाह रहा था कि वो भी मेरे लंड को लेना चाहती है या नहीं.

जब मैं पैंट पहन रहा था तो दीदी मेरे कच्छे में तने हुए मेरे लौड़े की तरफ ही देख रही थी. उसकी चूत भी शायद मेरे लंड को लेकर अपने अंदर की गर्मी को शांत करने के लिए उससे माफी मांगवा रही थी.

मगर मैंने भी अपना नखरा जारी रखा. पैंट पहनने के बाद मैंने अपने तने हुए लंड को अपनी पैंट में एडजस्ट करने का दिखावा सा किया. मैं जानबूझकर दीदी के सामने बार-बार अपने खड़े हुए लंड को हाथ लगा रहा था. मैं जितनी बार भी अपने लंड को हाथ लगा रहा था तो दीदी अपना मन मसोस कर रह जाती थी. वह अपने मुंह से गुस्से में निकली डांट पर अब शायद पछता रही थी. उसको लगने लगा था कि मेरा गर्म लौड़ा अब उसकी चूत को शायद नहीं मिल पायेगा.

इसलिए कुछ देर पहले वो इतने गुस्से में थी और अब वो मुझसे खुद ही माफी मांग रही थी. मैं भी दीदी को और झुकाना चाह रहा था. मैंने अपनी शर्ट भी पहननी शुरू कर दी.

दीदी को लगा कि अब मैं उसकी बात नहीं मानने वाला. उसके चेहरे पर दुविधा के भाव मैं देख सकता था. एक तो उसकी चूत में मैंने आग लगा दी थी और अब मैं बिना लंड दिये ही

उसको गर्म करके छोड़ रहा था. इसलिए वो समझ नहीं पा रही थी कि मुझे कैसे मनाये. उसने गुस्से में मुझे डांट तो दिया लेकिन अब उसको बात संभालनी मुश्किल हो रही थी.

मैंने अब तक शर्ट और पैंट दोनों ही पहन ली थी. मैं पूरा दिखावा कर रहा था कि मैं अब उसकी चूत को हाथ नहीं लगाने वाला. फिर जब उससे कुछ भी न होते बना तो उसने मेरा हाथ पकड़ लिया.

मेरी दीदी बोली- मेरे भाई, जिस हाथ से तुझे राखी बांधी उसी से मैंने तुझे तमाचा मार दिया. मुझे माफ कर दे. आज अपनी बहन की चूत का भोसड़ा बना दे. नानी याद करा दे इसे!

दीदी के ऐसा कहते ही मैंने फिर से अपने कपड़े उतारे और उसके भी कपड़े उतारे. फिर उसकी चूत को चाटने लगा. मेरी जीभ जब दीदी की चूत पर लगी तो वो बड़ी मुश्किल से अपनी आवाज को दबा पा रही थी. अगर उसकी सिसकारियों से कोई जाग जाता तो हमारी खैर नहीं थी.

जब दीदी से कंट्रोल नहीं हुआ तो उसने अपनी चूत से मेरा मुंह हटा दिया और खड़ी हो गई. उसने दोनों ही खटिया को एक तरफ करके जमीन पर गद्दा बिछाया और उस पर लेट गई और फिर मुझे उसके ऊपर चढ़ने का इशारा किया. मैं भी सांड की तरह फटाक से पोजीशन तैयार करके चुदाई के लिए रेडी हो गया.

मैंने दीदी की चूत पर लंड को लगाया और अंदर डालने की कोशिश करने लगा लेकिन लंड अंदर नहीं जा रहा था. दीदी ने अपने मुंह से थूक निकाला और मेरे लंड पर मल दिया. फिर जब लंड चिकना हो गया तो दीदी ने धक्का लगाने का इशारा किया.

आंखें बंद करके मैंने भी पूरी ताकत से एक धक्का लगाया और मेरा रामपुरी लंड जियरा दीदी की चूत को चीरता हुआ अंदर समा गया. दीदी दर्द से कांप उठी.

मैंने उनकी हालत देखी और रुक कर उनके सिर और पीठ पर हाथ फेर कर उन्हें सामान्य होने दिया. जब दीदी थोड़ी नॉर्मल हुई तो मैं धीरे-धीरे धक्के लगाने लगा. अब दीदी के चेहरे पर भी आनंद नजर आ रहा था.

अब मेरा मन कर रहा था कि दीदी की पोजीशन बदलवा दूं लेकिन लंड चूसने की बात पर दीदी मुझसे गुस्सा हो गई थी इसलिए मैंने चुप रहना ही ठीक समझा.

दीदी भी अपने पैर मेरी कमर के पीछे लॉक करके हर धक्के का आनंद ले रही थी। इसी पोजीशन में मैंने लगभग काफी देर तक दीदी को चोदा। हम दोनों पसीने से भीग गये थे। मेरे धक्के तेज हो गये और हम दोनों का शरीर अब अकड़ने लगा था. मैंने बिना कुछ बोले अपना पानी दीदी की चूत में छोड़ दिया और साथ में दीदी भी झड़ गयी। अपनी दीदी की चूत के गर्म पानी का लंड पर जो अहसास मुझे उस समय मिल रहा था वो तो मेरे जैसा बहनचोद ही समझ सकता था.

चुदाई करने के बाद हम दोनों एकदम निढाल से हो गये थे. मेरा लंड अभी भी दीदी की चूत में था और मैं उसके मम्मों से खेल रहा था.

तब दीदी बोली- प्रतीक तुझे पता नहीं है क्या, इस तरह से तूने जो मेरी चूत के अंदर अपना पानी छोड़ दिया है उससे मैं प्रेग्नेंट हो सकती हूँ.

मैं- तो अब क्या होगा दीदी ?

दीदी- कुछ नहीं, कल में बाजार से गर्भनिरोधी गोली ला कर खा लूंगी लेकिन अगली बार ध्यान रखना।

जब दीदी ने अगली बार कहा तो मैं खुश हो गया. इसका मतलब अब दीदी की चूत मुझे अगली बार भी मिलने वाली थी.

दीदी बोली- अब खटिया सही कर ले और हम भाई-बहन की तरह ही सो जाते हैं.

जब हम उठने लगे तो मेरी नज़र दीदी की चूत पर से बह रहे खून पर पड़ी.

मैंने कहा- दीदी ये खून !

वो बोली- कुछ नहीं है भाई, बस मेरी सील टूट गई है. मैं तेरे से कई साल बड़ी हूं, तुझे इन सब बातों के बारे में अभी नहीं पता है. इसमें तेरी कोई गलती नहीं है.

फिर हमने उठ कर अपने गुप्तांगों को साफ किया और कपड़े पहन कर सोने लगे. हम दोनों धीमी आवाज़ में ही बात कर रहे थे. सुबह जब मैं उठा तो दीदी खेत पर जा चुकी थी. मुझे बड़ा मजा आया इस चुदाई में. उसके बाद तो दीदी की चूत चुदाई का ये सिलसिला शुरू ही हो गया.

अब मैं भी शहर में अप-डाउन करके नौकरी पर जाने लगा. हम दोनों दिन भर मेहनत करने लगे. दीदी खेत पर काम करती थी और मैं नौकरी करने लगा था. फिर रात को हम भाई-बहन चुदाई का मजा लेते और सो जाते. हम दोनों ही खुश रहने लगे थे.

इस भाई-बहन के रिश्ते की आड़ में मैं दीदी को कई बार मूवी दिखाने भी लेकर चला जाता था. हम दोनों शहर में जाकर खूब मस्ती करते थे.

दीदी के पीरियड्स के दिनों को छोड़कर चुदाई की छुट्टी कभी नहीं होती थी. मैं लगातार तीन साल तक अपनी दीदी की चूत की चुदाई करता रहा. मुझे चुदाई का हर सबक मेरी दीदी ने ही सिखाया था.

हम रोज रात नंगे बदन एक दूसरे की बांहों में लिपट कर प्यार की बातें किया करते थे. हम दोनों भाई-बहन अब एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते थे. फिर दीदी के रिश्ते की बातें होने लगी. दीदी भी शादी नहीं करना चाहती थी और मैं भी दीदी के बगैर नहीं रह सकता था इसलिए शादी के ख्याल से ही दोनों की गांड फटने लगी.

मैंने और दीदी ने मिल कर एक प्लान बनाया. हमने अपने एक्सीडेंट का नाटक किया. उसमें



हमने एक बाइक को खाई में फेंक दिया और घरवालों को लगा कि हम भी खाई में गिर कर ऊपर पहुंच गये. इस तरह से दुनिया की नजर में हम अब इस दुनिया में जिंदा नहीं थे. इसी बात का फायदा उठाकर हम दोनों घर से भाग गये.

बैंगलोर जाकर हमने मंदिर में शादी कर ली और अब हम पति-पत्नी की तरह रहने लगे थे. हम दोनों ही मेहनती थे और वहाँ पर हमने अपना नया घर बसा लिया. मैंने और दीदी ने मेहनत की. मैंने नौकरी में तरक्की भी की और हमारी चुदाई भी चलती रही.

इस तरह हमारी एक फूल सी बेटी हुई. इससे पहले न जाने कितनी बार मैंने दीदी को गोली खिला कर बच्चा होने से रोक कर रखा हुआ था. लेकिन शादी होने के बाद ऐसा कोई डर नहीं था. इसलिए दीदी ने हम दोनों की बच्ची को जन्म दिया.

उसके बाद दीदी ने एक बेटे को भी जन्म दिया. हम दोनों के बीच में अब चुदाई थोड़ी कम हो गई थी लेकिन बच्चे होने से पहले हम भाई-बहन ने इतनी चुदाई कर ली थी जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता.

दीदी मुझे राखी भी बांधती है और हम करवा चौथ भी मनाते हैं. रक्षा बंधन के दिन मैं दीदी को पूरी रात चोदता हूं. हम दोनों को ही ये भाई-बहन वाली चुदाई बहुत पसंद है.

आपको ये स्टोरी कैसी लगी इसके बारे में बताने की कोई जरूरत नहीं है. मेरा मन किया कि मैं आप लोगों को बताऊं इसलिए मैंने स्टोरी आप को बता दी. जिन लोगों को भी भाई-बहन की चुदाई पसंद है वो अपनी दीदी की चूत का मजा लो. जिस तरह से मैं ले रहा हूं.

मैंने अपनी दीदी की चूत को चोद कर उसको अपनी पत्नी ही बना लिया और मुझे अपने किये पर कोई पछतावा नहीं है. मैं अपनी बहन के बिना नहीं रह सकता था और मेरी बहन भी मेरे बिना नहीं रह सकती थी. इसलिए हम दोनों ने अपने घर वालों को भी छोड़ दिया

था.

कई बार तो मुझे लगता है कि घर वाले भी हमारे इस रिश्ते को अपना लेते तो ज्यादा अच्छा होता लेकिन ये तो फिर संभव लगने वाली बात थी ही नहीं. इसलिए हम दोनों ने अपने को परिवार से अलग कर लिया.

वैसे भी बाहर जाकर क्या पता लगने वाला था कि हम भाई-बहन हैं. हम दोनों तो पति-पत्नी बन कर रह रहे थे. मेरी बहन भी मुझे पति के रूप में पाकर खुश थी और मैं भी अपनी बहन को अपनी पत्नी के रूप में देख कर खुश था. कुछ लोगों को ये बात अटपटी लगे लेकिन हम दोनों भाई-बहन ने तो ऐसा ही किया.

मैं अन्य लड़कों को जो अपनी बहन को वासना की दृष्टि से देखते हैं, को भी बहनचोद ही बनने की सलाह देना पसंद करता हूँ. इससे दो तरह के फायदे हो जाते हैं. एक तो रिश्ता टूटने का झंझट खत्म हो जाता है और घर में ही चूत मिल जाती है. आप पूरी जिंदगी अपनी बहन की चूत का मजा ले सकते हो. सभी को मेरा नमस्कार!

[gopanihardik11280@gmail.com](mailto:gopanihardik11280@gmail.com)

## Other stories you may be interested in

### मनाली ट्रिप में चूत चुदाई का मजा

यहाँ क्लिक अन्तर्वासना ऐप डाउनलोड करके ऐप में दिए लिंक पर क्लिक करके ब्राउज़र में साईट खोलें. ऐप इंस्टाल कैसे करें दोस्तो ... आज मैं फिर एक बार अपनी सेक्स कहानी लेकर आई हूँ. ये कहानी उस दौरान की है, [...]

[Full Story >>>](#)

### जवान लड़की की वासना, प्यार और सेक्स-4

अब तक आपने मेरी इस सेक्स कहानी में पढ़ा कि शिवानी ने मुझे अपने घर बुला कर खुद की चुदाई का लाइव शो दिखाया था. बाद में मैं अपने घर आ गई थी. मैं घर आते ही अपने कमरे में [...]

[Full Story >>>](#)

### कॉलेज की मुंहबोली बहन के साथ मस्ती

मेरी उम्र 22 साल है और मैं बी.टेक का स्टूडेंट हूँ. मैं नोएडा में रहता हूँ. पिछले ही दिनों की बात है जब मैं थर्ड इयर में आया था. उस साल हमारे कुछ जूनियर आये थे उनमें से एक लड़की [...]

[Full Story >>>](#)

### जवान लड़की की वासना, प्यार और सेक्स-3

अभी तक आपने मेरी इस सेक्स कहानी में पढ़ा कि शिवानी के जाने पर उसने मुझे गर्म करना शुरू कर दिया और इस वक्त वो मेरी चूत में उंगली कर रही थी. अब आगे : उसने मेरी चूत में उंगली पेलते [...]

[Full Story >>>](#)

### मैं भी नई नई जवान हुई-2

दोस्तो नमस्कार! मैं पूजा ... फिर से हाज़िर हूँ मेरी कहानी मैं भी नई नई जवान हुई-1 का अगला भाग लेकर! रवि अंकल के चुम्बन करने से साफ़ साफ़ उनके सेक्स करने के तजुर्बे का पता चल रहा था। वे [...]

[Full Story >>>](#)

